सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शनिवार, 16 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 218, पृष्ठः 8+4

'सबसे बड़े डीलमेकर' ट्रंप रह गए खाली हाथ

» Pg 12

इनसाइड कानपुर से दिल्ली के लिए 16 सितंबर से उड़ान शुरू... » Pg 02

सीएम ने 30 हजार करोड़ के मास्टर प्लान की दी सौगात

मथुरा। कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व आज पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मथुरा और वृंदावन में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ जन्मस्थान पर पहुंच चुके हैं। मथुरा के बलदेव में श्रीकृष्ण भगवान के बड़े भैया श्री दाऊजी महाराज मंदिर में जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की नई कार्ययोजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह कार्ययोजना मथुरा, वृंदावन, बरसाना और गोकुल जैसे तीर्थ स्थलों को द्वापर युग की स्मृतियों से जोड़ेगी। उन्होंने कहा हमारी सरकार पूज्य संतों की भावनाओं का सम्मान करने और बृजक्षेत्र को संवर्धित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम उन कार्यों को संभव बना रहे हैं, जिन्हें कभी असंभव माना जाता था।

उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उदाहरण देते हुए कहा कि 10 साल पहले इनकी कल्पना भी असंभव लगती थी, लेकिन आज ये साकार हो चुके हैं। काशी में जहां पहले 50 श्रद्धालु एक साथ दर्शन नहीं कर पाते थे, वहां आज 50 हजार श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर सकते हैं। अयोध्या में भव्य राम मंदिर त्रेतायुग की स्मृति को जीवंत कर रहा है। इसी तरह, विंध्यवासिनी धाम में भी भव्य कॉरिडोर का निर्माण पूरा हो चुका है।

योगी सरकार का मथुरा पर विशेष फोकस

8 वर्षों में 38 बार पहुंचे सीएम योगी

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

» सीएम ने कहा कि काशी-अयोध्या की तर्ज पर हो रहा कायाकल्प

» काशी-अयोध्या के बाद मथुरा पर योगी सरकार की खास नजर

मथुरा वृन्दावन। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा का 38वां दौरा कर एक बार फिर यह संकेत दिया कि मथुरा उनके शासन के प्रमुख विकास एजेंडों में शामिल है। मुख्यमंत्री रहते हुए सर्वाधिक बार मथुरा का दौरा करने का यह रिकॉर्ड न केवल उनकी सरकार की सनातन आस्था के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि धार्मिक नगरी के सर्वांगीण विकास की दिशा में उनकी प्राथमिकता को भी स्पष्ट करता है।

योगी आदित्यनाथ ने अपने आठ वर्षों के कार्यकाल में अब तक काशी का 160 बार, अयोध्या का 85 बार और मथुरा का 38 बार दौरा किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी धार्मिक नगरी पर सीएम का जितना अधिक फोकस बढ़ा है, उतना ही उसका कायाकल्प भी हुआ है। काशी में विश्वनाथ धाम और अयोध्या में राम मंदिर परियोजना के बाद अब कृष्ण नगरी मथुरा सरकार की प्राथमिकताओं के केंद्र में आ चुकी है। लगातार दौरों का सीधा असर मथुरा में धार्मिक पर्यटन पर देखने को मिला है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यहां आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सरकार ब्रज क्षेत्र में सड़क, यातायात, सौंदर्यीकरण और आधुनिक सुविधाओं पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इससे स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं दोनों को सीधा लाभ मिल रहा है।

सांस्कृतिक विरासत और आधुनिकता का संतुलन

योगी सरकार का मानना है कि विकास की प्रक्रिया में सांस्कृतिक विरासत की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। मथुरा में हो रहे कार्य इसी सोच का प्रतीक हैं। एक ओर प्राचीन मंदिरों और घाटों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है, तो दूसरी ओर कनेक्टिविटी, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं। यह संयोजन ब्रज की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत कर रहा है।

आर्थिक-सामाजिक प्रगति से जुड़ा कायाकल्प

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मथुरा का कायाकल्प केवल धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक प्रगति का भी हिस्सा है। तीर्थ पर्यटन से रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है। सनातन आस्था का सम्मान सदैव प्राथमिकता पर रहा है। अयोध्या और काशी की तरह अब कृष्ण नगरी को भी राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने का लक्ष्य तय किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस पर बोले स्वामी रामदेव

'रूस-चीन-भारत मिलकर खत्म कर देंगे अमेरिका की गुंडागर्दी'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

स्वामी रामदेव ने कहा कि अमेरिका की राजनीतिक और आर्थिक गुंडागर्दी को खत्म करने के लिए भारत दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बनाने में लगा हुआ है। उन्होंने पाकिस्तान पर भी तंज कसा।

योग गुरु स्वामी रामदेव ने दावा किया कि भारत जल्द ही रूस और चीन के साथ मिलकर अमेरिका की राजनीतिक और आर्थिक गुंडागर्दी खत्म कर देगा। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत, रूस, चीन, यूरोप और मध्य एशिया के कुछ देशों के बीच नया गठजोड़ बन रहा है। इस गठजोड़ को विश्व के लिए एक बहुत अच्छा संदेश बताते हुए योग गुरू ने कहा कि भारत ने अमेरिका के सामने झुकने का नहीं, खड़े होने का फैसला किया है।

भारत की अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला बोलते हुए रामदेव ने कहा, ''यह न केवल जीवंत है, बल्कि तेजी से प्रगति कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''300 साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था 400 से 500 ट्रिलियन डॉलर की थी जिसे पहले मुगलों ने और फिर अंग्रेजों ने लूटा, लेकिन भारत आज भी सीना तान कर खड़ा हुआ है। हमें भारत को स्वावलंबी बनाना है और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।''

कानपुर से दिल्ली के लिए 16 सितंबर से रोजाना उड़ान शुरू

» हफ्ते में तीन दिन नहीं, अब सातों दिन मिलेगी सुविधा

» टिकट बुकिंग शुरू, यात्रियों को व्यापार और पढ़ाई में मिलेगी बड़ी राहत

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए अब इंतजार खत्म होने वाला है। कानपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए नियमित उड़ान 16 सितंबर से शुरू हो जाएगी। एयरलाइन कंपनी ने इसके लिए टिकटों की बुकिंग शुरू कर दी है। पहले यह उड़ान सप्ताह में केवल तीन दिन बुधवार, शुक्रवार और रविवार को ही मिल रही थी, लेकिन अब रोजाना यह सेवा उपलब्ध होगी। करीब तीन माह से कम उड़ानों की वजह से शहर के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, मगर अब लगातार सातों दिन उड़ानें शुरू होने से हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।हवाई अड्डा निदेशक संजय कुमार ने जानकारी दी कि 15 जून तक कानपुर से दिल्ली की उड़ानें नियमित रूप से सातों दिन संचालित हो रही थीं, लेकिन विमानन कंपनी ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए 16 जून से 30 जून तक इसे घटाकर केवल तीन दिन कर दिया। इस दौरान बेंगलुरु की उड़ान को भी हफ्ते में चार दिन ही किया गया था। शेड्यूल में इस बदलाव के चलते यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। व्यापार, शिक्षा, इलाज और आपात यात्रा करने वालों को अक्सर आखिरी वक्त में टिकट न मिलने की समस्या का सामना करना पड़ा।अब एयरलाइन ने 16 सितंबर से फिर से सातों दिन उड़ानें शुरू करने का निर्णय लिया है। यात्रियों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली की उड़ान फिर से नियमित हो जाने से व्यापारियों और विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं, कानपुर के साथ लखनऊ और आसपास के जिलों के यात्रियों को भी इसका लाभ मिलेगा क्योंकि वे भी अक्सर दिल्ली यात्रा के लिए कानपुर एयरपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं। एयरपोर्ट प्रशासन का दावा है कि जल्द ही दिल्ली उड़ान का नया और विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा।

सत्य-अहिंसा की शक्ति से मिली आज़ादी

कानपुर में 1857 से 1947 तक का गौरवशाली सफ़र

अनूप अवस्थी/निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर। 1857 का स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास का वह पहला बिगुल था जिसने गुलामी की नींद में सोए देश को जगा दिया। 11 मई 1857 को मेरठ से उठी चिंगारी ने दिल्ली पहुँचकर लाल किले में विजय का झंडा फहराया और बहादुर शाह जफ़र को हिंदुस्तान का सम्राट घोषित किया। हालांकि यह संग्राम अंग्रेजों ने क्रूरता से कुचल दिया, लेकिन अत्याचार की वह आग आगे चलकर आज़ादी की अलख बन गई।

90 वर्षों बाद बदली तस्वीर

करीब 90 साल बाद, उसी लाल किले ने 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजी हुकूमत के ढलते सूरज और भारत

की स्वतंत्रता के उजाले का स्वागत किया। यह लड़ाई अनोखी थी—दुनिया का पहला उदाहरण, जहां एक देश ने हथियारों की बजाय सत्य और अहिंसा को अपना अस्त्र बनाया।

भारतवासियों ने दुश्मन का खून नहीं बहाया, बल्कि अपने शीश बलिदान कर दिए, यह दिखाने के लिए कि आत्मबलिदान की कतार कभी खत्म नहीं होगी।

1857 से 1947– क्रांति के कई चरण

इस संघर्ष यात्रा में धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक सभी चरणों ने भारत को

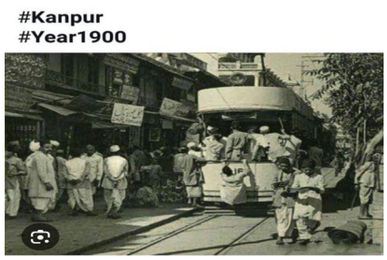

दिशा दी।

धार्मिक क्रांति– स्वामी रामकृष्ण परमहंस आध्यात्मिक–सांस्कृतिक क्रांति स्वामी विवेकानंद

सामाजिक एकजुटता– लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का सार्वजनिक गणेशोत्सव

राजनीतिक क्रांति– स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है का उद्घोष

उत्प्रेरक क्रांतिकारी

जब संघर्ष थमता–सा लगता, तब शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे वीरों ने अपने बलिदानों से नई ऊर्जा जगाई। अंग्रेजों को यह अहसास हुआ कि अत्याचार सिर्फ़ डर नहीं, बल्कि क्रांति के बीज भी बोते हैं।

महात्मा गांधी की अगुवाई में निर्णायक मोड़

सत्य और अहिंसा की राह पर चलते हुए महात्मा गांधी के नेतृत्व ने ब्रिटिश साम्राज्य को झुकने पर मजबूर कर दिया। जिसे वे अधनंगा फकीर कहते थे, उसी के सामने वे बार–बार वार्ता करने और अंततः सत्ता सौंपने पर विवश हुए।

आज का भारत –

आज स्वतंत्र भारत 78 साल पूरे कर चुका है।

भले ही कुछ लोग इसे विश्व का सिरमौर न मानें, लेकिन सत्य–अहिंसा के कारण भारत की पहचान विश्व बिरादरी में अद्वितीय है। जरूरत है कि हम इस वैचारिक विरासत पर अडिग रहें और एकता, अखंडता तथा प्रगति की राह पर बढ़ते रहें।

जन्माष्टमी पर सुरक्षा कड़ी- पुलिस आयुक्त ने मंदिरों का किया निरीक्षण

» जेके और इस्कॉन मंदिर में पार्किंग व प्रवेश–निकास व्यवस्था देखी गई

भीड़ वाले सभी प्रमुख मंदिरों पर तैनात होगा अतिरिक्त पुलिस बल

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। जन्माष्टमी पर्व को लेकर कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने गुरुवार को जेके मंदिर और इस्कॉन मंदिर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पार्किंग, प्रवेश–निकास मार्ग, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा घेराबंदी को विस्तार से परखा। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त के साथ डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह और एसीपी स्वरूप नगर इंद्रप्रकाश सिंह मौजूद

रहे। पुलिस आयुक्त ने मंदिर प्रबंधन से बातचीत कर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा नहीं होनी चाहिए।इस्कॉन मंदिर में दर्शन के बाद उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्लान और पुलिस तैनाती की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन्माष्टमी पर भीड़ वाले सभी प्रमुख मंदिरों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए रूट डायवर्जन की व्यवस्था समय रहते लागू की जाए।

स्वतंत्रता दिवस एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर कानपुर के जेके मंदिर में भव्य सजावट की गई। इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। मौके पर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है।

तहसील परिसर में ध्वजारोहण करते एसडीएम संजीव दीक्षित।

एमएलकेडी स्कूल में बच्चों को संबोधित करते पुलिस अफसर।

सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा...

बिल्हौर में धूमधाम से मनाया गया 79 वां स्वतंत्रता दिवस

- तहसील परिसर में एसडीएम ने फहराया तिरंगा
- विद्यालयों में बच्चों की परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए
- थानों, ब्लॉक मुख्यालय और बार एसोसिएशन में हुआ ध्वजारोहण

रामीरा ग्लोबल स्कूल पिहानी में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण करते विधायक राहुल बच्चा सोनकर।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। देशभर की तरह बिल्हौर तहसील मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचल में भी आज़ादी का पर्व पूरे उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। जगह-जगह ध्वजारोहण, तिरंगा यात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए।

सुबह बिल्हौर तहसील प्रांगण में एसडीएम ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। राष्ट्रगान के साथ गगनभेदी भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों ने माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस का जश्न विशेष रंग में दिखाई दिया। क्षेत्र के एम.एल.के.डी. पब्लिक स्कूल, चिल्ड्रन मेमोरियल पब्लिक स्कूल, जामिया गौसिया सुकुरिया मदरसा, गौरव इंटरनेशनल स्कूल मकनपुर, और प्राथमिक विद्यालय प्रथम सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में बच्चों ने परेड, झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर देशभक्ति का संदेश दिया।

प्राथमिक विद्यालय बिल्हौर प्रथम में प्रस्तुति देती छात्राएं।

नगर पालिका में अध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

नगर पालिका परिषद बिल्हौर में चेयरमैन इकलाख खान ने झंडा फहराया और नगर की जनता से स्वच्छता व विकास में भागीदारी का आह्वान किया।

पालिका कार्यालय में आयोजित समारोह में पार्षदों, कर्मचारियों और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ईओ अंजनी मिश्रा ने आजादी के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद कस्बे में तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें नगरवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

सर्किल के पांचों थानों में पुलिस अधिकारियों ने ध्वजारोहण किया और शांति-सौहार्द की अपील की। ब्लॉक मुख्यालयों पर भी अधिकारी-कर्मचारी स्वतंत्रता दिवस के रंग में डूबे नजर आए। बिल्हौर बार एसोसिएशन एवं लायर्स एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने भी स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम आयोजित कर ध्वजारोहण किया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लोकतंत्र की असली ताकत बताया।

राजनीतिक दलों ने जगह-जगह तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रीय एकता का परिचय दिया। बाजार, चौराहे और गलियां तिरंगे से सराबोर रहीं।

बच्चे हाथों में तिरंगा लिए 'सारे जहां से अच्छा' गाते हुए जुलूसों में शामिल हुए। गांव-गांव और कस्बे-कस्बे में देशभक्ति गीतों की गूंज सुनाई दी। हर उम्र के नागरिकों ने आज़ादी का पर्व यादगार बनाने में अपनी भागीदारी निभाई। कांग्रेस के सुभानपुर स्थित पार्टी कार्यालय में नेत्री ऊषा रानी कोरी ने झंडारोहण करके आजादी के दीवानों को याद किया।

झंडारोहण के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करतीं कांग्रेस नेत्री उषा रानी कोरी।

झंडारोहण के बाद राष्ट्रीय गीत गाते सपाई साथ में स्कूली बच्चे।

सम्पादकीय

रिश्तों में खामोशी लीलती लाखों जिंदगी

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे-धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है।

नैतिकता और अभिव्यक्ति की आज़ादी के यक्ष प्रश्न

क्षमा शर्मा

देश के संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी, नैतिकता और समता जैसे आदर्श सिद्धांत निहित हैं। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा व इनकी भावना के अनुसार, न्यायपालिका गंभीर मामलों को लेकर अपने निर्णय देती आयी है। खासकर व्याख्या के लिए अंतिम उम्मीद है। लेकिन अगर वही हमें अपने विचारों की अभिव्यक्ति पर खुद ताला लगाने को कह दे, तो सुरक्षा पाने कहां जाएं?

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया बेहद दिलचस्प व्यक्ति हैं। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि वे हिंदी फ़िल्म निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के बड़े भाई हैं- जिन्होंने गैंग्स ऑफ़ वासेपुर, पान सिंह तोमर, साहिब बीवी और गैंगस्टर आदि फिल्में बनाई- बल्कि इसलिए कि उनमें आपको एक नेकनीयत गुस्सा दिख सकता है, जो उनके फ़ैसलों में झलकता है। जिनमें बुराई को सज़ा व अच्छाई को राहत मिलती दिखती है, या फिर, सबसे महत्वपूर्ण है अपनी पसंद-नापसंदगी की आजादी का विचार, जो संविधान में दिया मूलभूत अधिकार है, वह खामोशी से उनके फैसलों में खुद को दोहराता है।उन्हें नायक में तबदील किए जाने के खतरे के बावजूद, वे नायक बनने की काबिलियत रखते हैं। हम जैसे लोगों ने इस अप्रैल में उनके द्वारा मद्रास हाईकोर्ट के दिए एक फैसले को बरकरार रखने की सराहना की थी, जिसमें एक दुष्ट माता-पिता को अपनी ही बेटी-दामाद की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया ('एक क्रूर और घिनौना जुम...'गहरे तक जड़ें जमाए जातिवाद की कुरूप सच्चाई')। अप्रैल में ही, धूलिया ने सवाल किया था कि महाराष्ट्र की एक नगरपालिका में उर्दू को लेकर इतना पूर्वाग्रह क्यों कायम है ('यह पूर्वाग्रह इस धारणा से उपजा कि उर्दू भारत में विदेशी है...यह सोच गलत है'); और 2022 में, उन्होंने कर्नाटक सरकार के उस फैसले के खिलाफ एक विभाजित फैसला दिया, जिसमें मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने से रोक दिया गया था ('यह पसंद का मामला होना चाहिए...अंतरात्मा, आस्था एवं अभिव्यक्ति का मामला') वैसे सुप्रीम कोर्ट में अन्य 'सितारे' भी हैं - पिछले हफ्ते, हरियाणा के जस्टिस सूर्यकांत, जो जल्द अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं,उन्होंने देश के युवा दिलों को खुशी से भर दिया, जब अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली महमूदाबाद के मामले में हरियाणा के पुलिस कर्मियों को फटकार लगाई - पुलिस ने अली के सभी डिवाइस जब्त कर लिए थे और पिछले 10 वर्षों में उनकी विदेश यात्राओं का ब्योरा मांगते हुए, उनके कथित अपराध (ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग हेतु एक मुस्लिम महिला को प्रवक्ता चुनने पर सरकार को निशाना बनाती सोशल मीडिया पोस्ट्स) की जांच का दायरा बढ़ाने पर।ये वही जस्टिस सूर्यकांत हैं, जिन्होंने मार्च में कॉमेडियन रणवीर अल्लाहबादिया मामले में नाना विशेषण ('घृणित' और 'अपमानजनक') दिए थे, जब रणवीर ने मां-बाप को लेकर भौंडा मज़ाक किया था। तब, जस्टिस सूर्यकांत ने अभिव्यक्ति की आज़ादी और अश्लीलता के बीच सदा एक रेखा कायम रखने की नसीहत दी थी। मई में कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने में दिशा-निर्देश ज़रूरी हैं। निश्चित रूप से, हमारे संस्थापक पुरखों ने युगों-युगों तक रहने वाली इस दुविधा के बारे में सोचा होगा। इसलिए उन्होंने अनुच्छेद 19 (1) में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी पर कुछ अंकुश लगाते हुए, फौरन अगले अनुच्छेद 19 (2) में कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी संपूर्ण नहीं, और भारत की संप्रभुता एवं अखंडता, जन व्यवस्था या नैतिकता के हित में इस पर उचित अंकुश होने चाहिए।अंतिम वाक्यांश के बारे में, सवाल है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की नैतिकता की धारणा आम नागरिक की शालीनता से ज्यादा अहमियत रखती है और इन दोनों पर आखिरी फ़ैसला कौन लेगा। अक्सर, समुदायों के रीति-रिवाज या चाल-चलन क़ानून की किताबों से बहुत ऊपर होते हैं।

आत्मीय संवाद से रिश्तों की गरिमा की रक्षा

विकृतियों का क्रास

डा0 जगदीप सिंह

आज यदि पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में हिंसक प्रवृत्तियां विकसित हो रही हैं तो कहीं न कहीं संवादहीनता उसके मूल में है। एक-दूसरे के मनोभावों को समझकर और संवेदनशीलता के साथ टकराव को टाला जा सकता है।भारतीय समाज में सामंती सोच खत्म नहीं हुई है – इसका एक उदाहरण हाल ही में गुरुग्राम में देखने को मिला। दस जुलाई को एक राज्यस्तरीय टेनिस खिलाड़ी बेटी की उसके ही पिता ने गुस्से में आकर गोली मारकर हत्या कर दी। कारण? बेटी की कमाई पर आश्रित रहने वाले पिता को यह ताना सुनना पड़ता था कि वह अपनी बेटी से कमाकर खा रहा है।

पिता के अनुसार, आस-पड़ोस के लोग उसे ताना देते थे कि वह बेटी से एकेडमी बंद नहीं करवा सका। इसी कुंठा और सामाजिक दबाव में उसने अपनी ही संतान की जान ले ली।किताबों में यह सच पढ़ाया जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों की हर उपलब्धि मां-बाप के लिए गर्व का विषय होती है। मगर यहां स्थिति उलट है—बेटी ने न केवल अपने पिता के सपनों को साकार करते हुए एक सफल टेनिस खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाई, बल्कि आगे चलकर एक टेनिस अकादमी भी शुरू की। यही सफलता उसके लिए काल बन गई, क्योंकि पिता और आस-पड़ोस की दकियानूसी सोच उसकी राह का रोड़ा बन गई।यह केवल एक रिश्ते की हत्या नहीं है। आज के समय में पति-पत्नी, मां-बच्चे, गुरु-शिष्य जैसे रिश्तों के बीच की संवेदनशीलता और आत्मीयता भी कमजोर पड़ती जा रही है—वहीं आत्मा से उपजे आदर्शों की वह धरती, जहां संबंधों के फूल खिला करते थे, अब मुरझा रही है।

हम जिस समाज की कल्पना करते हैं—जहां रिश्ते स्नेह, सम्मान और सहयोग की बुनियाद पर टिके होते हैं — वहां आज नफरत, ईर्ष्या और अपूर्ण आकांक्षाओं की घातक छाया फैलती जा रही है।आज की भौतिकतावादी दौड़ ने समाज में ऐसी विकृत मूल्य प्रणाली को जन्म दिया है, जिसमें व्यक्ति किसी भी कीमत पर आगे बढ़ना चाहता है—चाहे वह नैतिकता की हत्या करके ही क्यों न हो। अपनी छवि को %पाक-साफ% बनाए रखने की होड़ और दूसरों की सफलता से उपजी ईर्ष्या ने इंसानी सोच को इतना विषाक्त कर दिया है कि रिश्तों और जिम्मेदारियों की गरिमा ही नष्ट होती जा रही है।अगर गुरुग्राम में एक पिता अपनी ही बेटी की सफलता से जलकर उसे गोली मार देता है, तो वहीं एक कस्बाई शहर में एक स्कूल प्राचार्य को इसलिए गोली मार दी जाती है क्योंकि वह छात्रों को अनुशासन का पाठ पढ़ा रहा था — उन्हें सही ढंग से कपड़े पहनने, बाल संवारने और नशे से दूर रहने की सलाह दे रहा था।यह उदाहरण दर्शाते हैं कि कैसे विकृत मूल्यों की बलि वेदी पर आज न जाने कितने रिश्ते, आदर्श और जीवन मूल्य रोज़ कुर्बान हो रहे हैं। माहौल में एक अजीब किस्म की हिंसा और असहिष्णुता घर कर गई है। समाज जैसे संवेदना-विहीन होता जा रहा है —जहां न शिक्षा का सम्मान है, न रिश्तों की पवित्रता की कोई जगह बची है।

नौकरानी ने नशीली खीर खिला उड़ाए 15 लाख के जेवर-नकदी

» मां-बेटे को बेहोश कर दो दिन बाद आया होश

» राशि दोष व गृह नक्षत्र का डर दिखाकर रची साजिश

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक नौकरानी ने विश्वासघात करते हुए अपनी मालकिन और उनके बेटे को नशीली खीर खिला बेहोश कर दिया और घर से करीब 15 लाख रुपये के जेवर, नकदी और कीमती सामान लेकर फरार हो गई। दो दिन बाद होश आने पर पीड़िता ने जब चोरी का नजारा देखा तो उनके होश उड़ गए। पीड़ित महिला ने आरोपित नौकरानी और उसके पति के खिलाफ कल्याणपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

कैलाश विहार निवासी चित्रा सिंह, जो पनकी स्थित विद्युत परिषद इंटर कॉलेज की सेवानिवृत्त प्रवक्ता हैं, अपने बेटे गौरव सिंह (सहायक प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा) के साथ रहती हैं। पति का दो साल पहले निधन हो चुका है और बहू मायके गई हुई है। करीब 15 दिन पहले ही सरिता देवी नाम की नौकरानी उनके घर काम करने आई थी। उसने गृह नक्षत्र खराब होने और राशि दोष जैसी बातें कहकर चित्रा सिंह को मानसिक रूप से भयभीत कर दिया था। इसी बहाने से उसने रविवार को घर में हवन-पूजन कराया और अपने पति पवन को भी बुला लिया।

पूजन के बाद देर रात सरिता ने मां-बेटे को खीर खिलाई। खीर में नशीला पदार्थ मिलाया गया था, जिसे खाते ही दोनों गहरी बेहोशी में चले गए। दो दिन बाद जब उन्हें होश आया तो घर का नजारा बदल चुका था। अलमारियां खुली पड़ी थीं और उनमें रखे करीब तीन लाख रुपये नकद, जेवर, स्कूटी और मोबाइल समेत 15 लाख रुपये का माल गायब था।

भरोसा जीतकर दी धोखाधड़ी को अंजाम

पीड़िता चित्रा सिंह ने बताया कि नौकरानी शुरुआत से ही उन्हें डराती थी। वह कभी कहती कि गृह नक्षत्र खराब होने से नुकसान होगा, कभी राशि दोष से बचने के लिए सोने की चेन या पुखराज अंगूठी पहनने की सलाह देती। इन बातों पर भरोसा करके वे उसे मान लेती थीं।

इसी साजिश के तहत उसने घर में हवन-पूजन कराने को कहा और अपने पति को शामिल कर वारदात को अंजाम दे डाला। पुलिस ने इस मामले में चोरी, धोखाधड़ी और नशीला पदार्थ खिलाने समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। नौकरानी और उसका पति फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश तेज कर दी गई है।

इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व भक्ति और उल्लास से मनाया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कानपुर स्थित इस्कॉन मंदिर में भव्य आयोजन किया गया।

मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर नंदलाल का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया।कार्यक्रम में भक्तों ने भक्ति गीतों, झांकी और महाआरती के जरिए भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का स्वागत किया।

चारों ओर जय श्रीकृष्णा, राधे-राधे के जयघोष गूंजते रहे।इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की कि बांके बिहारी सबके जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य प्रदान करें।

शास्त्री नगर में 47 फीट ऊँचे पोल पर फहराया तिरंगा

स्मृतिशेष राममूर्ति मिश्र वाटिका में स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर ।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्मृतिशेष राममूर्ति मिश्र वाटिका, छोटा सेंटर पार्क में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान 47 फीट ऊँचे पोल पर ध्वजारोहण पूर्व विधायक अजय कपूर एवं भाजपा उत्तर के पूर्व जिलाध्यक्ष दीपू पांडे ने संयुक्त रूप से किया ।समारोह में समिति द्वारा अतिथियों का सम्मान भी किया गया। अपने संबोधन में पूर्व विधायक अजय कपूर ने कहा कि फ्रदेश की सेवा करने के लिए हर नागरिक को अपने घर और समाज के दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना चाहिए। वहीं दीपू पांडे ने मातृशक्ति के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में महिलाओं ने जो त्याग और बलिदान दिए, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता ।इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव, पार्षद अनिल यादव, सुखदेव मिश्रा, अंबुज शुक्ल, वात्सेय त्रिपाठी, राशिद आरफी, मनवीर मनिहास, मनोज शुक्ला, रमेश चंद शाही, राकेश अवस्थी, संजय औदीच्य, प्रेम साहू, हरि लाल शर्मा, रेहान, संदीप अवस्थी, मनीष सिंह, दीपक सिंह, सत्य प्रकाश पांडे, रवि गुप्ता, अरुण शर्मा, संतोष शर्मा, मिश्री लाल शर्मा, सुरेश कुमार सिंह, कौशलेंद्र मिश्र सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन पूर्व पार्षद राघवेन्द्र मिश्र ने किया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कानपुर विकास प्राधिकरण में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। उपाध्यक्ष श्री मदन सिंह गर्ब्याल ने प्राधिकरण कार्यालय में ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की गई ।अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कर्मचारियों व कलाकारों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान सचिव अभय कुमार पांडेय ने अधिकारियों व कर्मचारियों से शहर के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया ।अपने संबोधन में उपाध्यक्ष श्री गर्ब्याल ने कहा कि आज की भावना हमें 15 अगस्त 1947 की याद दिलाती है। सभी कर्मचारी व अधिकारी अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें ।कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी सत शुक्ला (ओएसडी) ने किया। इस दौरान बृजेंद्र उपाध्यक्ष अजय कुमार रवि प्रताप सिंह और इंजीनियर्स संघ अध्यक्ष सीबी पांडे सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सेंट मैरीज़ कॉन्वेंट हाई स्कूल में स्वतंत्रता दिवस की गूंज

» छात्राओं की प्रस्तुतियों ने आज़ादी के इतिहास और भविष्य को किया जीवंत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कैंट स्थित सेंट मैरीज़ कॉन्वेंट हाई स्कूल में स्वतंत्रता दिवस का पर्व इस वर्ष भी हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि मेजर इंदु मिश्रा (एक्स-एनसीसी कैडेट) ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान की गूंज के बीच कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इसके बाद छात्राओं ने अपने-अपने सदनों के माध्यम से देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दीं, जिनमें स्वतंत्रता संग्राम की गाथा, भारत की सांस्कृतिक धरोहर और उज्ज्वल भविष्य का शानदार समागम देखने को मिला।

नेहरू सदन ने जश्ने आज़ादी 2035 शीर्षक से नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर भारत के गौरवशाली अतीत और समृद्ध भविष्य की झलक दिखाई।

टैगोर सदन ने पन्नाधाय के त्याग और बलिदान को मंचित कर वीर माताओं की अमर गाथा को जीवंत किया। गांधी सदन ने रानी लक्ष्मी बाई की शौर्य गाथा प्रस्तुत कर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। मैरी वार्ड सदन ने स्वतंत्र भारत के 78 वर्षों की उपलब्धियों, विकास और प्रगति को प्रभावशाली नृत्य-नाटिका के माध्यम से दर्शाया।विद्यालय परिसर देशभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा। छात्राओं की प्रस्तुतियों ने दर्शकों के हृदय में गहरी छाप छोड़ी और सभी ने देश की प्रगति व समृद्धि के लिए योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन ने मुख्य अतिथि और सभी छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर है।

बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बेनाझाबर स्थित बी. एन. एस. डी. शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रख्यात अधिवक्ता एवं विद्यालय प्रबंध समिति के मंत्री व प्रबंधक आदित्य शंकर बाजपेयी ने ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए श्री बाजपेयी ने कहा कि आज हम 79वाँ स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। यह आज़ादी मंगल पाण्डेय, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद और सुभाषचन्द्र बोस जैसे महान देशभक्तों के बलिदान का परिणाम है। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता और अखण्डता बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा। उन्होंने भ्रष्टाचार, गरीबी और सामाजिक कुरीतियों से मुक्त भारत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन दिलीप तिवारी (प्रभारी - चैतन्य निकेतन) ने किया तथा आभार ज्ञापन छात्र परिषद के संयोजक अमित कुमार ने दिया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। सक्षम गुप्ता (गीत), सक्षम तिवारी (भाषण), शैली गुप्ता (गीत), आराध्या सक्सेना (अंग्रेजी भाषण), अस्तित्व साहू (संस्कृत गीत), कनिष सिंह (विचार अभिव्यक्ति), श्रेयांश कटियार (कविता पाठ) तथा सामूहिक नृत्य प्रस्तुतियों हम राही हम साथी और मिले सुर मेरा तुम्हारा ने समारोह को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि की उपस्थिति

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, कानपुर प्रांत के प्रांत संघ चालक भवानी भीख तिवारी, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य एवं अधिवक्ता शरद कृष्ण पाण्डेय, प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, उपप्रधानाचार्या मंजूबाला श्रीवास्तव समेत विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राएँ और अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

डीएम ने फहराया तिरंगा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का किया सम्मान

» अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल व मिष्ठान बांटे, अधिकारियों को दिए निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नवागत जिलाधिकारी कपिल सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में तिरंगा फहराकर आजादी के अमर सपूतों को नमन किया।

इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिजनों श्री रमेश चंद्र सविता, ओम प्रकाश मिश्र, सुरेंद्र कुमार पासवान, शिव कुमार श्रीवास्तव, उमेश चंद्र शुक्ला व श्रीमती नन्हे आदि को माल्यार्पण कर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नवोदय विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगीत ने माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों और आदर्शों को संजोकर, ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने समाज और देश को मजबूत बनाने के लिए आपसी एकजुटता व बुराइयों को त्यागने की अपील की।

साथ ही कहा कि शासन का प्रत्येक निर्णय समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

इसके बाद जिलाधिकारी कपिल सिंह जिला अस्पताल अकबरपुर पहुंचे, जहां उन्होंने मरीजों को फल व मिष्ठान वितरित किए और उनके स्वास्थ्य का हाल जाना।

इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिया कि इलाज में किसी मरीज को कोई परेशानी न हो।

मौके पर सीडीओ लक्ष्मी एन., एडीएम प्रशासन अमित कुमार, एसडीएम नीलिमा यादव, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. सज्जन लाल वर्मा, सीएमओ डॉ.ए.के. सिंह और सीएमएस डॉ. वंदना सिंह सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।वहीं, पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र ने पुलिस कार्यालय तथा सीडीओ लक्ष्मी एन. ने विकास भवन परिसर में ध्वजारोहण कर वीर सपूतों को नमन किया ?

और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

79वां स्वतंत्रता दिवस-जनपद में धूमधाम से फहराया तिरंगा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। जनपद में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। प्रातः 8 बजे सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के बाद कर्मचारियों और अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं और देशभक्ति का संदेश दिया गया। राजपुर नगर पंचायत में ईओ नीति त्रिपाठी और चेयरमैन अंशु त्रिपाठी ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के बलिदान से मिली आजादी को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें अपने कर्तव्यों का निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निर्वहन करना ही सच्ची देशभक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि जाति, धर्म और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर आपसी भाईचारा और प्रेम की भावना के साथ कार्य करना ही स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ है। नगर पंचायत को स्वच्छ बनाने, सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प ही स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

घर में फांसी पर लटकी मिली किशोरी, रहस्य सुलझाने में जुटी पुलिस

» स्वतंत्रता दिवस पर घटी दर्दनाक घटना, परिवार में मचा कोहराम

» मौके पर पहुंची पुलिस, माता-पिता के आने पर होगी आगे की कार्यवाही

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। स्वतंत्रता दिवस के दिन रसूलाबाद क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। विकास नगर की रहने वाली एक किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी सबसे पहले किशोरी के दादा ने दी, जिसके बाद मोहल्ले में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घर को घेराबंदी कर स्थिति का जायजा लिया। फील्ड यूनिट को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की और सबूत जुटाए। स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की तैयारी शुरू कर दी है।बताया गया कि मृतका के माता-पिता दिल्ली में रहते हैं। उनके घर लौटने के बाद ही पंचायतनामा और अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है ताकि घटना के पीछे की असली वजह का पता चल सके।घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। रिश्तेदार और पड़ोसी स्तब्ध हैं और सभी के बीच यही सवाल उठ रहा है कि आखिर एक मासूम किशोरी को इतना बड़ा कदम क्यों उठाना पड़ा। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की हर पहलू से जांच की जाएगी और सच्चाई सामने लाने की कोशिश होगी।

नहर में डूबा अधेड़, घंटों बाद भी नहीं मिला सुराग

» बाजार जाते समय हादसा, परिवार का रो-रोकर बुरा हाल

एसडीआरएफ की टीम मौके पर, रातभर तलाश जारी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना रसूलाबाद क्षेत्र में शनिवार की शाम एक बड़ा हादसा हो गया। चाट निवादा मजरा, सुनासी निवासी बशीर निचली रामगंगा नहर में गिरकर लापता हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और लोग रो-रोकर बेसुध हो गए।बताया जा रहा है कि बशीर रोज की तरह नहर की झाल पटरी से होकर बाजार जा रहे थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वे तेज बहाव में बह गए। ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। राज्य आपदा मोचक प्रबंधन बल की टीम को बुलाया गया, जिसने नहर में उतरकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। देर रात तक तलाश जारी रही, लेकिन अधेड़ का पता नहीं चल सका। ग्रामीणों का कहना है कि नहर में रेलिंग या सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से अक्सर हादसों का खतरा बना रहता है। फिलहाल पुलिस और एसडीआरएफ टीम लगातार तलाश में जुटी है और परिवार के लोगों को ढांढस बंधाया जा रहा है।

यूपी भाजपा ने 2027 चुनाव से पहले शुरू किया विधायकों का इंटरनल सर्वे

» C ग्रेड वालों का कट सकता है टिकट, पार्टी में शुरू छानबीन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को ध्यान में रखते हुए अपने विधायकों का इंटरनल गुप्त सर्वे शुरू कर दिया है। पार्टी नेतृत्व इस सर्वे के जरिए विधायकों की लोकप्रियता, क्षेत्र में पकड़ और विकास कार्यों के आधार पर उनका आकलन कर रहा है।

विधायकों को तीन श्रेणियों में बाँटा जाएगा

A श्रेणी– लोकप्रिय और क्षेत्र में मजबूत पकड़ वाले विधायक
B श्रेणी औसत प्रदर्शन करने वाले, जिनमें सुधार की गुंजाइश है
C श्रेणी– कमजोर पकड़ और नकारात्मक छवि वाले विधायक

सूत्रों के अनुसार, सर्वे की शुरुआत सबसे पहले पूर्वांचल और पश्चिम यूपी से होगी।

इसके बाद काशी, बृज, अवध और अन्य क्षेत्रों के विधायकों का मूल्यांकन किया जाएगा।ष्ट श्रेणी में आने वाले विधायकों का टिकट काटने की संभावना सबसे अधिक मानी जा रही है।

पार्टी यह भी देख रही है कि विधायकों ने विकास निधि का कितना और किस तरह उपयोग किया है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि भाजपा का यह कदम टिकट वितरण में पारदर्शिता और चुनावी रणनीति को और मजबूत करेगा।

वहीं पार्टी के भीतर इसे कई विधायकों के लिए बड़ी चुनौती भी माना जा रहा है।

औरैया में खून के रिश्ते हुए कलंकित, मामा ने भांजी संग किया दुष्कर्म

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। जिले के कुदरकोट थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक मामा ने अपनी ही नाबालिग भांजी के साथ दुष्कर्म कर खून के रिश्ते को कलंकित कर दिया।सूत्रों के अनुसार, आरोपी मामा ने धमकी देकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता ने साहस जुटाकर पूरी घटना अपनी मां को बताई, जिसके बाद परिजनों ने थाने में तहरीर दी।पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी मामा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट एवं अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। वहीं पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। यह घटना न केवल समाज को झकझोरती है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करती है कि जब अपने ही रिश्तों से खतरा हो तो बेटियों की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा।

मोतीझील मेट्रो स्टेशन चौराहे पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की ओर से मोतीझील मेट्रो स्टेशन चौराहे पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री एवं जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने की।समारोह में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने राहगीरों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें मिष्ठान, शीतल जल एवं तिरंगा झंडे वितरित किए। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए आज़ादी के अमर बलिदानियों को नमन किया।मुख्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों में मंडलीय मंत्री अजय कुमार द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणधीर सिंह यादव, चेयरमैन संघर्ष समिति सहाब सरताज, कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र अवस्थी, संरक्षक इंजीनियर ए.एन. द्विवेदी, रामजी लाल श्रीवास्तव, अजीत सिंह, सुरेश चंद्र, सत्य प्रकाश शर्मा, सुखेंद्र सिंह यादव, सुधीर मिश्रा, मोहम्मद साजिद, आनंद बाजपेयी, क्रिस्टी सिंह, अमित पांडेय, शैलेन्द्र, परवेज आलम, संजीव पाल, आशुतोष दीक्षित, रोमी शुक्ला, प्रीतिजा सिंह परिहार, रजनी गंधा पांडेय, राजेंद्र कुमार, इंद्र मणि मिश्रा, आनंद शुक्ला, शमशेद, आदित्य पांडेय, शाहनवाज, प्रदीप, अमित जायसवाल, ब्रजभार समेत बड़ी संख्या में परिषद के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन उत्साहपूर्वक हुआ और समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

अयोध्या में कुत्तों की नसबंदी के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च !

» करोड़ो की नसबंदी या करोड़ो का भौ-भौ घोटाला

» लेकिन 'दहशत का पट्टा' अब भी जनता के गले में!

» अयोध्या में 15 हज़ार ऑपरेशन, 1.49 करोड़ रुपये का बिल

नगर निगम का गणित
अनुमानित आवारा कुत्ते- 25,000
नसबंदी-15,000
अनुबंध मार्च 2026 तक
दावा- प्रजनन दर में कमी
सच्चाई- हमले जारी

जनता पूछ रही है
जब नसबंदी का मतलब आतंक खत्म होना है, तो फिर यह खूनखराबा क्यों जारी है?
स्वराज इंडिया की पड़ताल बताती है—यह सिर्फ एबीसी का मसला नहीं, यह फाइलों में 'भौंकते' भ्रष्टाचार और जमीन पर 'काटते' कुत्तों का कॉम्बिनेशन है।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम का दावा कुत्तों की आबादी काबू में है। हकीकत गलियों में बच्चे खून से लथपथ, अस्पतालों में रैबीज़ इंजेक्शन की लाइनें, और मोहल्लों में हर शाम 'भौं-भौं' का सायरन। पिछले दो साल में 15 हज़ार आवारा कुत्तों की नसबंदी हो चुकी है, उस पर 1 करोड़ 49 लाख रुपये झोंक दिए गए हैं, लेकिन सवाल जस का तस आख़िर यह आतंक क्यों नहीं थम रहा?

बता दें कि नसबंदी का ठेका एक निजी संस्था के पास, प्रति कुत्ता 995 रुपये की दर से। कान में कट का निशान, ऑपरेशन थिएटर से लेकर गोशाला तक सरकारी व्यवस्था—सब किताबों में दुरुस्त है। लेकिन जमीनी तस्वीर? शहर के सीएचसी, जिला अस्पताल में रोज़ाना 300 से ज्यादा लोग रैबीज़ का इंजेक्शन लगवाने को मजबूर।नगर निगम का दावा है कि टीमें कुत्तों को पकड़ती हैं नसबंदी करती हैं, और 'वहीं छोड़' आती हैं, जहां से उठाया था। यानी मोहल्ले की पुरानी दहशत वापस उसी गली में।

रामनगरी में तिरंगे का पर्व

» राम मंदिर से स्कूलों तक गूंजा देशभक्ति का जयघोष

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। स्वतंत्रता दिवस के महापर्व पर आज रामनगरी तिरंगे की रंगत में रंगी नजर आई। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय ने राम मंदिर परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। शहर के पौराणिक मंदिरों में भी तिरंगा लहराकर आजादी के अमर पर्व को नमन किया गया।

मंडलायुक्त राजेश कुमार ने कमिश्नरी कार्यालय, आईजी प्रवीण कुमार ने आईजी कार्यालय, डीएम निखिल टी. फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने अपने-अपने कार्यालयों में ध्वजारोहण किया।भाजपा कार्यालय महाराणा प्रताप वार्ड में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व पदाधिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि दी, वहीं सपा कार्यालय में सांसद अवधेश प्रसाद ने ध्वजारोहण करते हुए लोकतंत्र बचाने का संकल्प लेने की अपील की।डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सहित सभी शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा लहराया गया।स्कूली बच्चों की प्रभात फेरी, शहीदों को नमन और 'ऑपरेशन सिंदूर' समेत सेना के ऐतिहासिक अभियानों की झांकियों ने पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में डुबो दिया।

पीएमटी ग्रुप ऑफ एजुकेशन में ध्वजारोहण व टैबलेट वितरण

अयोध्या।पीएमटी ग्रुप ऑफ एजुकेशन, मजरूद्दीनपुर खजुरहट में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। निदेशक डॉ. सुजीत तिवारी ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि प्राचार्य डॉ. एस.पी. तिवारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व राष्ट्र सर्वोपरि पर विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में डी.फार्म द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत टैबलेट वितरित किए गए। इस मौके पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी व सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। संचालन प्रभाकर तिवारी ने किया।

पूरा बाजार सीएचसी में ऑपरेशन से चार नवजातों का जन्म

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। पूरा बाजार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेशन के जरिए चार बच्चों ने जन्म लिया। यह सफल ऑपरेशन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल की अधीक्षक एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. फातिमा हसन रिजवी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। नवजातों और माताओं के स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए सभी को बधाई दी गई।

ना सीजफायर, ना कोई डील...

दुनिया के 'सबसे बड़े डीलमेकर' ट्रंप रह गए खाली हाथ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। यूक्रेन में युद्ध पर विराम लगवाने के मकसद से 'दुनिया के सबसे बड़े डीलमेकर' अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में मुलाकात की। इस मीटिंग को दो बड़े नेताओं की भिड़ंत के रूप में पेश किया जा रहा है, लेकिन ट्रंप-पुतिन अलास्का समिट एक तरह का 'पोल्ट्री-गेस्ट' ही साबित हुआ। दोनों नेता बस इतराते और मुस्कुराते रहे, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। पूरी दुनिया रातभर इंतजार करती रही, लेकिन सुबह

तक यह कंफर्म हो गया कि युद्धविराम के मोर्चे पर यह मुलाकात बेनतीजा साबित हुई। यूक्रेन, जो इस लड़ाई के बीच में फंसी हुई 'मुर्गी' की तरह है उसने राहत की सांस ली कि वह फिलहाल किसी नई मुसीबत में फंसने से बच गया। दुनिया अभी भी अंदाजा लगा रही है कि इस बैठक से कोई असली हल निकलेगा या फिर यह सिर्फ ट्रंप का पब्लिसिटी स्टंट ही साबित होकर रह जाएगा।

न्यूयॉर्क टाइम्स का मानना है कि दोनों नेताओं की मुलाकात में असली मुद्दे अनसुलझे रहे, लेकिन माहौल जरूर असाधारण था। ट्रंप ने पुतिन का स्वागत रेड कार्पेट बिछाकर किया और तालियां बजाई। यह वही पुतिन थे जिन पर अमेरिका ने सैंक्शन्स लगाए हैं और जो इंटरनेशनल वॉर क्राइम्स वॉरंट का सामना कर रहे हैं। दोनों नेता हंसे, बातें कीं, और ट्रंप तो पुतिन को अपने बुलेटप्रूफ बीस्ट में बैठकर मीटिंग प्लेस तक आने ले गए।

समिट एक ऐसे मोड़ पर खत्म हुई जिससे कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ, लेकिन ट्रंप ने कहा कि 'कुछ मुद्दों पर एग्रीमेंट' हुआ है, कुछ पर नहीं। पुतिन ने बस इतना कहा कि दोनों नेताओं में एक समझ बनी है और ट्रंप को नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को का न्यौता भी दिया। न तो दोनों नेताओं ने विस्तार से कुछ बताया, न ही मीडिया से कोई सवाल लिए। हालांकि, ट्रंप ने वादा किया कि वह नाटो नेताओं और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात करेंगे।

पुतिन बने असली विनर?

राष्ट्रपति पुतिन जब अलास्का से वापस क्रेमलिन लौटे जिसे उनके पूर्वजों ने अमेरिका को बेहद कम दाम पर बेच दिया था, तो वह गर्व से भरे हुए थे। पुतिन ने बिना कोई रियायत दिए एक बड़ी प्रोपेगेंडा जीत हासिल की। सिर्फ इसी सच्चाई से कि युद्ध खत्म कराने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनसे मिले, रूस का कद खुद ही बढ़ गया।इस मीटिंग से यह भी स्पष्ट हो जाता है कि असल में पश्चिमी देश रूस को अलग-थलग करने में नाकाम रहे हैं।

प्रोत्साहन

जन्माष्टमी के मौके पर नीतीश कुमार ने की महत्वपूर्ण घोषणा

उद्योग लगाने वालों को अब कई सुविधाएं देगी सरकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

पटना। बिहार में नए उद्यमियों के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आर्थिक पैकेज देने की घोषणा की है। नीतीश कुमार ने शनिवार को जन्माष्टमी के मौके पर बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। नीतीश कुमार ने युवाओं के रोजगार की दृष्टि से भी बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि अगले 5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

उद्योग लगाने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक्स' पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। निजी क्षेत्रों को बिहार में उद्योग लगाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा विशेष आर्थिक पैकेज देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी तथा जीएसटी के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को दोगुना किया जाएगा।

आगे लिखा, 'उद्योग लगाने के लिए सभी जिलों में जमीन की व्यवस्था की जाएगी तथा ज्यादा रोजगार देने वाले उद्योगों को मुफ्त में जमीन दी जाएगी। उद्योग लगाने हेतु आवंटित भूमि से संबंधित विवादों को समाप्त किया जाएगा। ?यह सारी सुविधाएं अगले 6 महीने में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को दी जाएंगी।

बिहार में उद्योगों को और ज्यादा बढ़ावा : इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी। राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य है कि बिहार में उद्योगों को और ज्यादा बढ़ावा मिले, बिहार के युवा दक्ष और आत्मनिर्भर हों, उन्हें अधिक से अधिक रोजगार मिल सके और उनका भविष्य सुरक्षित हो।

5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी

नीतीश कुमार ने आगे बताया कि 2020 में सात निश्चय-2 के तहत की गई घोषणा के क्रम में हमारी सरकार ने 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार देने के लक्ष्य को पूरा कर लिया है। अब हमारी सरकार ने अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है।